International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

18वीं लोकसभा के चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों और गठबंधनों मुख्यतः NDA एवं INDIA की भूमिका का अध्ययन

प्रो. मृदुला शारदा[1], अरुण कुमार[2]

[1]राजनीति विज्ञान विभाग, CUHP धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
[2]शोध छात्र, राजनीति विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला

सारसंक्षेप

राजनीतिक दल, चुनाव तथा विपक्ष लोकतान्त्रिक व्यवस्था के मुख्य आधार है। 1951-52 से 18वीं लोकसभा के चुनाव तक, भारतीय मतदाता अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से लोकतंत्र को व्यवहारिक रूप देते आ रहे है। इस चुनाव में लगभग 744 राजनीतिक दलों ने प्रत्यक्ष रूप से सत्ता को प्राप्त करने या उसे प्रभावित करने के उद्देश्य से भाग लिया। इन राजनीति दलों की गतिशीलता व जीवंत आचरण के कारण इनके व गठबंधन के स्वरूप में समयनुसार परिवर्तन हुआ है जिसका अध्ययन भारतीय राजनीति विज्ञान के लिए आवश्यक व महत्वपूर्ण है अतः इस शोध का मुख्य उद्देश्य 18वीं लोकसभा के चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों और गठबंधनों की भूमिका का अध्ययन करना है।

मुख्य शब्द - भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, चुनावी प्रक्रिया, विधानसभा-लोकसभा, राजनीतिक दल, मुख्यतः NDA एवं INDIA।

भूमिका

चुनावों व लोकतंत्र के दृष्टिकोण से 2024 का वर्ष बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष यूरोपीय यूनियन सहित कुल 64 देशों में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले है जिस कारण इसे सुपर चुनावी वर्ष कहा जा रहा है। ये सभी देश विश्व की 49 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते है(Ewe, 2023)। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश है जो अपने जटिल व विशाल चुनावी तंत्र के लिए प्रसिद्ध है यहाँ 18वीं लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 96.88 करोड़ मतदाता पंजीकृत हुए। मतदाताओं की यह संख्या यूरोप के सभी देशों की कुल जनसंख्या से अधिक है। इस चुनाव में 7.28 करोड़ मतदाता पहली बार अपने मतदान का प्रयोग करेंगे क्योंकि 17वीं लोकसभा चुनाव में 89.6 करोड़ मतदाता पंजीकृत हुए थे(e.c.i, 2024)। लोकसभा सहित अन्य चुनावों का आयोजन भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किया जाता है इसका वर्णन संविधान के अनुच्छेद 324 में किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 81 में लोकसभा की संरचना का वर्णन किया गया है (Ambedkar, 2024, p. 68)। यह देश का सर्वोच्च प्रतिनिधि निकाय है जिसमें विश्वास

मत प्राप्त नेता राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए अनुच्छेद 74-1 के अंतर्गत मंत्रिपरिषद का निर्माण करता है इसका कार्यकाल समान्यतः पाँच वर्ष या जब तक मंत्रिपरिषद को लोकसभा में विश्वास मत हासिल हो, तब तक होता है। भारतीय संसद की 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो गया अतः भारतीय चुनाव आयोग ने 18वीं लोकसभा के साथ सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा व आंध्र प्रदेश की विधानसभा के चुनावों की घोषणा 16 मार्च को की (e.c.i, 2024) यह चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक 7 चरणों में कुल 43 दिनों तक आयोजित किया गया। 18वीं लोकसभा की चुनावी घोषणा के उपरांत आदर्श आचार सहिंता लागू हो गई जो चुनाव परिणाम के दिन तक जारी रही। आदर्श आचार सहिंता सरकार, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, प्रशासन और चुनाव आयोग के लिए नियमों एवं कानूनों का दस्तावेज है जिसका पालन इन सबको करना होता है ताकि चुनाव निष्पक्ष व स्वतंत्र तरीके से करवाएं जा सके (Desk, 2024)। संविधान की प्रस्तावना में भारत को सम्पूर्ण संप्रभु-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतान्त्रिक गणराज्य घोषित किया गया है (Ambedkar, 2024, p. 33)। यहाँ अनेक धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां, उप-संस्कृतियां, परम्पराएं, रीति-रिवाज और विविध नियम-कानूनों की विविधता है जिनका नेतृत्व भारत की बहु-दलीय प्रणाली करती है। भारत की विविधता उसे एक अनूठा और समृद्ध राष्ट्र बनाती है, किसी भी देश की समृद्धि में राजनीतिक दल अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है इनके बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है। 18वीं लोकसभा के चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों एवं गठबंधनों की भूमिका का अध्ययन एक समकालीन व प्रासंगिक विषय है जो भारत के लोकतान्त्रिक ताने-बाने को समझने में सहायक है। इस शोध में हमने 18वीं लोकसभा के चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों और NDA एवं INDIA गठबंधन की भूमिका सहित उनकी नीतियों, रणनीतियों, चुनावी अभियानों, घोषणा पत्रों, उनके द्वारा उठाए मुद्दों व चुनाव परिणामों का विश्लेषण किया है ताकि राजनीतिक दलों व गठबंधनों के चुनावी व्यवहार एवं इसके बदलते स्वरूप के अध्ययन के माध्यम से भारतीय चुनावी प्रक्रिया की विशेषताओं और जटिलताओं को उजागर किया जा सके।

शोध उद्देश्य-

1. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों के चुनावी व्यवहार का अध्ययन करना।
2. चुनावी प्रक्रिया में गठबंधनों के बदलते स्वरूप का अध्ययन करना।
3. भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों व गठबंधनों की भूमिका का अध्ययन करना।

शोध प्रश्न-

1. 18वीं लोकसभा के चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों व गठबंधनों मुख्यतः NDA और INDIA के गठन व गतिविधियों का चुनावी परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ा?
2. 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम पर विभिन्न राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र, कार्यक्रमों, नीतियों, रणनीतियों और मुद्दों का क्या प्रभाव रहा?

शोध पद्धति -

इस शोध पत्र के अध्ययन के लिए मुख्यतः द्वितीय स्त्रोतों की सहायता ली गई है इसके अंतर्गत अनेक पुस्तको, समाचार पत्रों, लेखों, ऑनलाइन सरकारी व गैर सरकारी वेबसाईटों के प्रदत्त की सहायता से 18वीं लोकसभा के चुनाव में राजनीतिक दलों और NDA व

INDIA की भूमिका का समकालीन, गुणात्मक, मात्रात्मक, वर्णनात्मक और तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है, किसी भी लोकतंत्र में निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया की व्यवस्था होना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसी व्यवस्था से नागरिकों का लोकतंत्र पर भरोसा मजबूत होता है और सत्ता को वैधता मिलती है जिसके दूरगामी परिणाम निकलते है।

भारत में गठबंधन की राजनीति का इतिहास और 17वीं लोकसभा

स्वतंत्रता के बाद अनेक दशकों तक भारत की केन्द्रीय राजनीति में कांग्रेस का एक दलीय प्रभुत्व रहा है। रजनी कोठारी इस प्रभुत्व को "कांग्रेस प्रणाली" कहते है kothari, (1962)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के अलावा लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह कांग्रेस के ही सदस्य थे जिन्होंने कुल 77 वर्षों में से तकरीबन 55 वर्ष देश का नेतृत्व किया। 1967 तक उपवाद के तौर पर केरल को छोड़ दे तो केंद्र के साथ-साथ सभी राज्यों में कांग्रेस की सरकारें थी Chandra, (2000) लेकिन वर्तमान समय में इसकी सिर्फ हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना व कर्नाटक में पूर्ण बहुमत के साथ और झारखंड व तमिलनाडु में गठबंधन की सरकारें है। भारतीय राजनीति में एक समय ऐसे भी आया जब केंद्र में किसी भी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत ना मिलने के कारण त्रिशंकु संसद का निर्माण हो रहा था जिस कारण केन्द्रीय सरकारे अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पा रही थी उस समय 1971, 80, 91, 98 और 1999 में मध्यविधि चुनाव हुए Chandra, (2000)। इस समस्या के समाधान के लिए समान हित व विचारधारा वाले अनेक राजनीतिक दलों के नेताओं ने गठबंधन के माध्यम से राजनीतिक स्थिरता लाने का प्रयत्न किया उदाहरणतः 1971 में Congress(O), स्वतंत्र पार्टी, समाजवादी, जनसंघ और क्षेत्रीय पार्टियों ने मिलकर महागठबंधन बनाया था गुहा, (2012) यह गठबंधन 5वीं लोकसभा के चुनाव में असफल रहा उसके पश्चात चार राजनीतिक दल जनसंघ, भारतीय लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी और कांग्रेस (ओ) ने मिलकर जयप्रकाश नारायण की अध्यक्षता में 23 जनवरी 1977 को जनता पार्टी के निर्माण की विधिवत घोषणा की थी (गुहा, 2012)। जनता पार्टी ने 1977 में 6वीं लोकसभा का चुनाव जीतकर सरकार बनाई थी जो दो वर्ष तक चली थी। यह केंद्र में प्रथम गैर कांग्रेसी सरकार थी (Pujar, 2018) 1987 में जन मोर्चा, 1989 में राष्ट्रीय मोर्चा और 1996 में संयुक्त मोर्चा गठबंधन भी बने जो अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में काफी हद तक असफल रहे क्योंकि इन गठबंधनों का या तो अंत हो गया या इनके नेतृत्व में बनी सरकारें अपना कार्यकाल पुरा नहीं कर पाई। भारत में 1989 से गठबंधनात्मक प्रणाली का आरंभ माना जाता है क्योंकि इस समय Commom Minimum Programme (CMP) के तहत गठबंधन चुनाव के बाद की बजाए पहले होने लगे थे। 1998 भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख अटल बिहारी बाजपेयी के नेतृत्व में NDA (National Democratic Alliance) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नेतृत्वकर्ता सोनिया गांधी के नेतृत्व में UPA (United Progressive Alliance) गठबंधन का निर्माण गया (sharma, 2013) (Appaiah, 2008) इन गठबंधनों ने 13वीं, 14वीं और 15वीं लोकसभा में गठबंधन की सरकार बनाई थी क्योंकि इस काल में किसी भी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था। 2014 में 16वीं और 2019 में 17वीं लोकसभा के चुनाव हुए, इन चुनावों में किसी एक राजनीतिक दल को 1984 के बाद पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ था (Pujar, 2018) लेकिन फिर भी केंद्र में भारतीय जनता पार्टी ने NDA गठबंधन के साथ सरकार बनाई थी। इन गठबंधनों का महत्व आज भी उतना ही है जितना इसकी स्थापना के समय था 2019 के लोकसभा चुनाव में NDA और UPA गठबंधन के मुख्य घटक दल निम्नलिखित थे।

17वीं लोकसभा चुनाव के दौरान NDA एवं UPA गठबंधन के घटक दल

सं० न०	NDA गठबंधन के घटक दल	UPA गठबंधन के घटक दल	वह दल जिन्होंने स्वतंत्र चुनाव लड़ा या जिनके अपने गठबंधन थे।
1.	भारतीय जनता पार्टी (BJP)	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	बहुजन समाज पार्टी (BSP)
2.	जनता दल (यूनाइटेड) JDU	द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK)	समाजवादी पार्टी (SP)
3.	शिव सेना	राष्ट्रीय जनता दल (RJD)	तेलगू देशम पार्टी (TDP)
4.	लोक जनशक्ति पार्टी (LJP)	जनता दल सेकुलर (JDS)	तृणमूल कांग्रेस (TMC)
5.	अपना दल	नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी(NCP)	राष्ट्रीय लोक दल (RLD)
6.	अकाली दल	नेशनल कांफ्रेंस (NC)	असम गण परिषद (AGP)
7.	ऑल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्र कड़गम (AIADMK)	मरुमलारची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके)	आम आदमी पार्टी (AAP)
8.	पताली मक्कल कांची (PMK)	विदुथलाई चिरुथिगल काची	पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी
9.	देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके)	राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी)	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (CPM)
10.	ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन	ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ)	तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS)
11.	नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी	झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम)	भारतीय राष्ट्रीय लोक दल (INLD)
12.	राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक पार्टी	जम्मू कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस	वाईएसआर कांग्रेस
13.	मिजों नेशनल फ्रंट	रेवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी	बीजू जनता दल (BJD)
14.	नागा पीपुल्स फ्रंट	मक्कल निधि मय्यम (MNM)	
15.	अखिल भारतीय एन आर कांग्रेस (एआईएनआरसी)	केरल कांग्रेस	
16.	बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट		

https://www.abplive.com/elections/which-party-in-nda-upa-coalition-in-lok-sabha-elections-2019-1130264

2019 के लोकसभा के चुनाव में चार गठबंधनों ने चुनाव लड़ा था लेकिन मुख्य मुकाबला UPA व NDA के बीच ही माना जा रहा था। 2017 में उत्तर प्रदेश की विधानसभा के चुनाव के समय भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए मायावती और अखिलेश यादव ने महागंठबंधन का निर्माण किया था जिसका समर्थन भारतीय लोकदल ने भी किया था। 2019 के लोकसभा के चुनाव में महागठबंधन और लेफ्ट फ्रंट ने अपने अलग-अलग उम्मीदवार उतारे थे इस चुनाव में लेफ्ट गठबंधन और महागठबंधन प्रभावी नहीं रहे क्योंकि उन्हे कुल 20 सीटें मिली थी यहाँ तक कि UPA का प्रदर्शन भी हताश करने

वाला रहा था उन्हें मात्र 92 सीटें मिली थी जो 2014 में मिली कुल 59 सीटों से थोड़ी ज्यादा थी (Dey, 2019) इसका मुख्य कारण यह था कि विपक्ष की बड़ी क्षेत्रीय पार्टियां तीसरे विकल्प की बात कर रही थी जिस कारण विपक्ष में बिखराव हुआ और वह भारतीय जनता पार्टी व NDA का सामना नहीं कर पाए। तीसरे विकल्प की मांग करने वाली पार्टियों का मानना था कि UPA उद्देश्य विहीन, कमजोर और असशक्त गठबंधन है।

भारतीय राजनीति में 2020 के बाद समकालीन घटनाओं की ऐतिहासिक पृष्टभूमि

भारतीय राजनीति व्यवस्था में चुनावों के दृष्टिकोण से 21वीं सदी के द्वितीय दशक के आरंभिक वर्ष बहुत महत्वपूर्ण रहे है क्योंकि इन वर्षों में 2021 में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु व केंद्र प्रशासित प्रदेश पांडुचेरी, 2022 में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और 2023 में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम में चुनाव हुए है। eci, (2024) यह चुनाव अलग-अलग क्षेत्रीय मुद्दों के आधार पर लड़े गए यह राज्य लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 360 सीटों का प्रतिनिधित्व करते है जो कि 66.3% है। इन चुनावों के बाद असम, पांडुचेरी, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गोवा, त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण बहुमत के साथ और नागालैंड में नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (NDPP) के साथ मिलकर सरकार का निर्माण किया। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, पंजाब में आम आदमी पार्टी, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में द्रविड मुनेत्र कड़गम, केरल में भारतीय कम्युनिस्ट मार्क्सवादी पार्टी, मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी और मिजोरम में स्थानीय जोरम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM) ने अपनी-अपनी सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की। कुछ उपवाद को छोड़कर यह सभी दल किसी न किसी रूप में NDA और INDIA (UPA) से जुड़े हुए है इन चुनावों में पांडुचेरी, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु और मिजोरम में सत्ता परिवर्तन देखने को मिला eci, (2024) यह लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि जब नागरिक सरकार की नीतियों, रणनीतियों, उसके कार्यों और नेतृत्व से संतुष्ट नहीं होते तो वह नई सरकार का निर्माण करते है।

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का इतिहास गठबंधनों में राजनीतिक दलों की अस्थिरता की चर्चा के बिना अधूरा है। यहाँ वर्तमान में अनेक राजनीतिक दलों के दो स्थिर गठबंधन NDA और (UPA) INDIA है। समकालीन राजनीति में इन गठबंधनों के घटक दलों में अस्थिरता देखने को मिली है उदाहरण के लिए लोक जनशक्ति पार्टी व JDU जो पहले NDA गठबंधन के सदस्य दल थे उन्होंने NDA से अपना गठबंधन तोड़कर UPA की सदस्यता क्रमशः 2023 व 2024 में पुनः NDA की सदस्यता ग्रहण की (indiatimes, 2024) वहीं 2020 में अकाली दल और 2021 में AIDMK ने NDA गठबंधन की सदस्यता त्यागकर 18वीं लोकसभा का चुनाव बिना किसी गठबंधन के लड़ा। 2020 के बाद तेलंगू देशम पार्टी और असम गण परिषद NDA के नए सदस्य बने। 2019 के लोकसभा चुनाव में जहां समाजवादी पार्टी और लेफ्ट पार्टी के अपने-अपने गठबंधन बनाए थे वही 2024 के चुनाव में इन्होंने INDIA गठबंधन की सदस्यता ग्रहण की। 2020 के बाद आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और द्रविड मुनेत्र कड़गम INDIA गठबंधन के नए सदस्य बने। राजनीतिक दलों द्वारा गठबंधनों की अदला-बदली करना और एक व्यक्ति द्वारा दल-बदल करना आम बात है हालांकि दल-बदल विरोधी अधिनियम 1985 की धारा 2(1)(a) के अंतर्गत प्रावधान है कि अगर कोई सांसद व विधायक उस पार्टी को छोड़ता है जिससे वह चुन कर आया है तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी।

भारत में अनेक गैर मान्यता प्राप्त, राज्य व राष्ट्रीय दल है जिनकी अपनी-अपनी विचारधारा, कार्यप्रणाली, नेतृत्व, मुद्दे और उद्देश्य है। प्रथम लोकसभा के चुनाव में कुल 53 दलों ने भाग लिया था जिसमें 14 दलों को राष्ट्रीय और बाकी सभी को राज्य दल माना गया

था (Ganguly, 2022) राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय व राज्य दल की कानूनी मान्यता देने व उसे रद्द करने का प्रावधान The Election Symbols (Reservation and allotment) Order, 1968 के अनुच्छेद 6A-B-C में किया गया है। 2021 के बाद हुए अलग-अलग विधानसभा के चुनावों में चुनाव आयोग ने आंध्र प्रदेश की भारत राष्ट्र समिति, उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय लोक दल, मणिपुर की People's Democratic Alliance (PDA), पांडुचेरी की Pattali Makkal Katchi (PMK), पश्चिम बंगाल की Revolutionary Socialist Party (RSP), मिजोरम की Mizoram People's Conference (MPC) और भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस, ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, भारतीय साम्यवादी दल द्वारा विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन न करने के कारण उनसे क्रमशः राज्य व राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापिस ले लिया है क्योंकि अब वह राज्य व राष्ट्रीय दल बने रहने की किसी भी शर्त को पूरा नहीं करते है इसके विपरीत आम आदमी पार्टी को 10 अप्रैल 2023 को गुजरात के विधानसभा चुनाव में पाँच सीटे जीतने व 13 प्रतिशत वोट मिलने के बाद उसे राष्ट्रीय पार्टी का आधिकारिक दर्जा दिया गया है क्योंकि उसने राष्ट्रीय पार्टी बनाने की उस शर्त को पूरा कर लिया जिसमें यह प्रावधान है कि जिस दल को चार राज्यों में या तो विपक्ष का दर्जा मिला हो या तो वह सत्ता में हो तो उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया जाएगा। इसकी स्थापना 2012 में कांग्रेस व UPA के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच करवाने एवं लोकपाल व लोकयुक्त विधेयक को लागू करवाने को लेकर हुए आंदोलन के समय की गई थी यह विडंबना ही है कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शराब आबकारी नीति 2021 में हुए भ्रष्टाचार को लेकर इसके प्रमुख अरविन्द केजरीवाल को लगातार 9 समन के बाद गिरफ्तार किया। उसके बाद उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देने से इंकार कर दिया जो इस बहस का कारण बना कि क्या कोई व्यक्ति जेल से संविधानिक पद का निर्वहन कर सकता है? क्योंकि इनसे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी प्रवर्तन निदेशालय ने भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया था लेकिन उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लोकसभा के चुनाव के समय ही दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ़्तारी को आधार मानते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अरविन्द केजरीवाल को 21 दिन की अंतरिम जमानत दी है ताकि वह लोकसभा के चुनावों में भाग ले सके।

भारत में कोई भी राजनीतिक दल, चाहे वो राष्ट्रीय हो चाहे वो राज्यीय, परिवारवाद से अछुते नहीं है अर्थात यहाँ एक दल के नेतृत्व का एक ही परिवार में पीड़ी पद पीड़ी हस्तांतरण होता रहता है उदाहरणतः भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद उसकी बेटी इंदिरा गांधी ने कांग्रेस का नेतृत्व किया, फिर उनके बेटे राजीव गांधी, फिर उसकी पत्नी सोनिया गांधी और वर्तमान में राजीव और सोनिया गांधी के पुत्र राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, अकाली दल, नेशनल कांफ्रेस, DMK, AIDMK, शिवसेना, लोक जनशक्ति पार्टी और भारतीय जनता पार्टी भी इसके अनेक उदाहरण मौजूद है (Sagar, 2021) जब भी दलों में नेतृत्व हस्तांतरण की बारी आती है तो नेतृत्व को लेकर असंतोष पैदा होता है इसके बाद उस दल के कुछ नेता अलग होकर नए दलों का निर्माण करते है या वह किसी अन्य दल में शामिल हो जाते है। 2020 के बाद विभिन्न क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों उदाहरणतः शिवसेना से अलग होकर शिवसेना उद्धव बाला साहेब, भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार, लोक जनशक्ति पार्टी से राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी और असम गण परिषद से असम जातीय परिषद का निर्माण हुआ है। भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस विभाजन का ही परिणाम थी आज इनमें भी विभाजन हो रहे है। स्वतंत्रता के बाद सबसे ज्यादा विभाजन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में हुए है समकालीन उदाहरण पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद गुलाम नबी आजाद का है जिन्होंने क्रमशः 2021 में पंजाब विकास कांग्रेस (Pareenja, 2024) और 2022 में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (DPAP) का निर्माण किया है।

पंजाब विकास कांग्रेस का विलय बाद में भारतीय जनता पार्टी में कर दिया गया। इस तरह की घटनाओं से भारतीय राजनतिक दलीय प्रणाली व राजनीतिक व्यवस्था कमजोर हो रही है।

भारत में सरकार का कार्यकाल पुरा होने से पहले मध्याविधि चुनाव की व्यवस्था है। 2020 के बाद हमें विधानसभा के मध्याविधि चुनाव करवाए बिना सरकार बदलने का प्रयोग देखने को मिला जोकि भारतीय राजनीति में नया दाव नहीं है। 2020 में महाराष्ट्र की विधानसभा के चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। चुनाव से पहले बीजेपी व शिवसेना का गठबंधन था चुनाव के बाद इन दोनों दलों में मुख्यमंत्री पद को लेकर हुई असहमति के बाद बीजेपी के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने एनसीपी के असंतुष्ट गुट के विधायक व नेता अजीत पवार के समर्थको के साथ मिलकर NDA सरकार का निर्माण किया था जो पाँच दिन तक ही चली थी। इससे बीजेपी व शिवसेना का गठबंधन भी टूट गया और शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस व एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास आघाड़ी सरकार का निर्माण किया था जो शिवसेना व एनसीपी में आंतरिक चुनौतियाँ, असहमतियाँ और नेतृत्व को लेकर असंतुष्टि का कारण बनी अततः यह सरकार भी गिर गई और 2022 में बीजेपी ने शिवसेना व एनसीपी के असंतुष्ट गुट के साथ मिल कर एकनाथ शिंदे (मुख्यमंत्री) के नेतृत्व में NDA सरकार का निर्माण किया था bbc, (2022) बिहार में भी पहले नतीश कुमार के नेतृत्व में बीजेपी और जदयू की सरकार बनी, बाद में नतीश कुमार ने कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल से मिलकर UPA सरकार का निर्माण किया था और उन्होंने फिर से जनवरी 2024 में एक ही कार्यकाल में तीसरी बार बीजेपी के साथ मिलकर सरकार का निर्माण किया bbc, (2024)। कर्नाटका की 16वीं और मध्य प्रदेश की 15वीं विधानसभा भी इससे अछूते नहीं रही क्योंकि आरंभ में इन राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी जिसके गिरने के बाद बिना मध्यविधि चुनाव के बीजेपी की सरकारें बनी। यह भारतीय राजनीति में नागरिकों के जनादेश की अवहेलना, जोड़-तोड़, अपने व पार्टी के हित को ऊपर रखने, विधायकों के अविवेकपूर्ण व्यवहार और सत्ता की लालसा की आम घटनाओं की प्रासंगिकता को दर्शाता है। यह घटनाएं राष्ट्रीय दलों द्वारा क्षेत्रीय दलों को अपने अनुरूप ढालने के प्रयत्न को इंगित भी करती हैं। इस तरह सत्ता परिवर्तन से मध्यविधि चुनाव पर खर्चा तो नहीं करना पड़ता लेकिन सरकार की नीतियाँ व कार्यक्रम जरूर प्रभावित होते है। इस दौरान कुछ महीनों तक सरकार के गिरने के कारणों और अन्य दल द्वारा सरकार बनाने की घटना के लाभ-हानि की ही चर्चा होती रहती है जिससे आम लोगों के मुद्दे दब जाते है।

लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों का महत्व बराबर होता है ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डीजराइली के अनुसार मजबूत विपक्ष के बिना कोई भी सरकार लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती है। भारत में संस्थानिक विपक्ष आरंभ से ही कमजोर रहा है। स्वतंत्रता से लेकर वर्तमान समय तक कुल 77 वर्षों में से सिर्फ 27 वर्ष ही विपक्षी दल के नेता को "विपक्ष के नेता" का पद मिला है। 2014 से 2024 तक मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को भी "विपक्ष के नेता" का पद नहीं मिला था क्योंकि उसके बाद भारतीय लोकसभा के कुल सदस्यों में से 10% सांसद नहीं थे जो कि इसके लिए महत्वपूर्ण शर्त है (Tripathi, 2024) अतः लोकतंत्र में विपक्ष की आवश्यकता, जरूरत और समय की मांग को समझते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में 26 सदस्य दलों के नेतृत्वकर्ता ने 17 जुलाई 2023 को UPA के स्थान पर Indian National Developmental Inclusive Alliance (INDIA) का निर्माण किया ताकि विपक्ष को विचारात्मक, एकजुट, सुदृढ़ और सशक्त करके 18वीं लोकसभा के चुनाव में सत्ताधारी दल को कड़ी टक्कर दी जा सके। INDIA गठबंधन का नाम तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के सुझाव पर रखा गया और इसके प्रथम महासचिव मल्लिकार्जुन खड़गे है। (Munjal, 2024) इस गठबंधन के घटक दलों में मतभिन्नता और असहमति आम है उदाहरणतः 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने दिल्ली, केरल और पश्चिम बंगाल में एक दूसरे के विरुद्ध अपने-अपने उमीदवार उतारे है ताकि वह इन राज्यों में अपने-अपने जनाधार को बचाए रख सके (Anand, 2024)। जब भी राजनीतिक दलों को गठबंधन में उनके

हितों को नुकसान होने लगता है तो वह गठबंधन से अलग हो जाते है उदाहरणतः शिवसेना (2019), अकाली दल (2020) AIDMK ने 2021 में NDA से अलग हो गए (Joshi, 2024)। राजनीतिक दलों का गठबंधन में शामिल होने का मुख्य उद्देश्य अवसरवादिता को लुभाना और अपने-अपने हितों को ध्यान में रखकर सत्ता प्राप्त करना या उसका भागीदार बनना होता है।

18वीं लोकसभा के चुनाव व इस चुनाव में NDA एवं INDIA की स्थिति

भारतीय राजनीति की दिशा और दशा तय करने वाली भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 18वीं लोकसभा चुनाव में अपने-अपने घोषणा पत्र, क्रमशः भाजपा का संकल्प "मोदी की गारंटी 2024" और "न्याय पत्र 2024" जनता के सामने पेश किए थे और लोगों से उन्हे वोट देने की अपील की थी। भारतीय जनता पार्टी ने अपने वरिष्ट नेता राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में अपने घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के अंतर्गत मुख्यतः गरीब परिवारों की सेवा, मध्यवर्ग परिवारों का विश्वास, नारीशक्ति, किसानों और श्रमिकों का सम्मान, विश्व बंधु भारत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी व नवाचार, भारत को विश्व का मैनुफेकचरिंग हब बनाने सहित भारत के संपूर्ण विकास के अनेक वादे किए थे ताकि इस लोकसभा के चुनाव में वह अपनी गहरी छाप छोड़ सके, उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का, वन नेशन वन इलेक्शन व नारी वंदन अधिनियम को लागू करने और 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करने का लक्ष्य रखा था bjp, (2024)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार यह घोषणा पत्र युवा, नारी, किसान और गरीबों को सशक्त बनाता है। उन्होंने पिच्छले 10 सालों में भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्यों के आधार 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देने, आयुष्मान भारत के माध्यम से मुफ़्त इलाज, पीएम आवास योजना और पीएम उज्ज्वल योजना के द्वारा लोगों को सशक्त करने की उपलब्धियां का दावा किया b.j.p घोषणा पत्र, (2024) वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र "न्याय पत्र 2024" में 10 प्रकार के मुख्यतः हिस्सेदारी, युवा, नारी, किसान एवं श्रमिक और आर्थिक न्याय में लोकतान्त्रिक मूल्यों की घोषणा की है कांग्रेस का न्याय पत्र, (2024) उन्होंने न्याय पत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (NSP) के माध्यम से किसानों का कर्ज माफ करने, संविधान संशोधन के द्वारा OBC, ST व SC के लिए 50 फ़ीदसी आरक्षण की निर्धारित सीमा खत्म करने और सामाजिक, आर्थिक व जातिगत जनगणना व सर्वे करवाने, अग्निपथ योजना को खत्म करने, जम्मू और कश्मीर राज्य के दर्जे को पुनः बहाल करने, पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने सहित वर्क, वेल्थ और वेल्फेयर के बड़े वादे किए है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के अनुसार यह घोषणा पत्र क्रांतिकारी और लोगों की आवाज है। कांग्रेस ने महिला न्याय के अंतर्गत प्रत्येक गरीब परिवार को बिना किसी शर्त के हर वर्ष एक लाख रूपय देना का वादा किया जिसने काफी सुर्खिया बटोरीं। CPI व CPIM ने इस चुनावों में भाजपा को हराने और धर्मनिरपेक्ष की रक्षा करने, CAA को हटाने, अति धनी लोगों पर कर लगाने, जातिगत गणना करवाने, भारतीय परमाणु बम को खत्म करने, आर्थिक व रोजगार और शिक्षा का निजीकरण को रोकने के लिए समावेशी नीतियाँ लागू करने की बात की है CPI(M) Manifesto, (2024)।

चुनाव राजनीतिक दलों व उसके प्रत्याशी को नागरिकों के प्रति उत्तरदायी बनाएं रखते हैं क्योंकि अंत में मतदान की शक्ति उनके पास ही होती है। चुनाव के समय नेता, राजनीतक दल व उनके कार्यकर्ता चर्चा-परिचर्चा, रैली, प्रचार, जन सभा, नुकड़-नाटक और इश्तिहार के माध्यम से नागरिकों को जागरूक करते है और उनसे तरह-तरह के वादे करके वोट देने की अपील करते है ताकि वह सत्ता हासिल कर सके उदाहरणतः 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने, भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन तक पहुँचाने, विधानसभा और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करने जैसे वादे किए थे BJP, (2019)। दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने सस्ती बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और महिलाओं के लिए सस्ते सफर के वादे किए थे।

हिमाचल प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का वादा किया था। इन सभी दलों ने सरकार में आने के बाद अपने इन वादों को पूरा किया लेकिन लोकतंत्र के इस चुनावी महापर्व में राजनीतिक दल कई बार अनैतिक, अव्यवहारी, झूठे और गुमराह करने वाले वादे भी करते है जो उसे कभी पूरा नहीं कर पाते अतः इससे रेवड़ी संस्कृति को बढ़ावा मिलता है जो देश की अर्थव्यवस्था के लंबे समय तक प्रभावित करती है।

18वीं लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी, विपक्ष और कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि यही चुनाव इन दलों के भविष्य की दिशा एवं दशा तय करेगा। कांग्रेस के लिए लोकसभा का सबसे अच्छा अंतिम चुनाव 2009 का रहा है जिसमें उसने 440 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 209 सीटें जीती थी। उसके बाद 2014 में 464 और 2019 में 421 उम्मीदवार खड़े किए थे 18वीं लोकसभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 545 में से 328 उमीदवार उतारे है जो 1952 से लेकर अब तक हुए लोकसभा के आम चुनावों में सबसे कम है। भारतीय जनता पार्टी ने कुल 430 उम्मीदवार उतारे है (रावी, 2024) 18वीं लोकसभा के चुनाव के समय NDA और INDIA गठबंधन के सदस्य दल निम्नलिखित है-

18वीं लोकसभा चुनाव के दौरान NDA और INDIA गठबंधन के सदस्य दल

सं० न०	NDA गठबंधन के सदस्य राजनीतिक दल	INDIA गठबंधन के सदस्य राजनीतिक दल	स्वतंत्र राजनीतिक दल जो इन दोनों गठबंधन के साथ नहीं है।
1.	भारतीय जनता पार्टी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	भारत राष्ट्र समिति
2.	शिवसेना (एकनाथ शिंदे)	शिव सेना (उद्धव ठाकरे)	बहुजन समाज पार्टी
3.	नेशनल पीपल्स पार्टी	द्रविड मुनेत्र कड़गम	बीजू जनता दल
4.	अपना दल (सोनेवाल)	जम्मू एण्ड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस	अकाली दल
5.	असम गण परिषद	झारखंड मुक्ति मोर्चा	वाई आर एस कांग्रेस
6.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार)	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार)	ए आई डी एम के
7.	जनता दल (यूनाइटिड)	आम आदमी पार्टी	नेशनल कांफ्रेस
8.	लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास)	राष्ट्रीय जनता दल	
9.	राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी	समाजवादी पार्टी	
10.	जन सेना पार्टी	ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लॉक	
11.	सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा	केरला कांग्रेस	
12.	तेलंगू देशम पार्टी	भारतीय साम्यवादी दल	
13.	नागा पीपल्स फ्रंट	भारतीय साम्यवादी मार्क्सवादी दल	
14.	जनता दल (सेकुलर)	राष्ट्रीय लोकतंत्री पार्टी	
15.	राष्ट्रीय लोक दल	ऑल इंडिया तृणमूल काँग्रेस पार्टी	
16.	यूनाइटिड डेमोक्रेटिक पार्टी	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	
17.	हिंदुस्तान अवामी मोर्चा	भाकपा-माले	

18.	तमिल मनीला कांग्रेस	असम जातीय परिषद	

https://www.aajtak.in/elections/lok-sabha-election-2024/story/complete-list-of-parties-in-alliance-41-parties-in-nda-and-37-dal-in-india-block-for-lok-sabha-election-ntc-1958975-2024-06-04

2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 2024 के लोकसभा चुनाव में चार की बजाय मुख्यतः दो गठबंधनों ने NDA एवं और INDIA ने भाग लिया। इन दो गठबंधनों के विकाशसील स्वरूप ने भारतीय राजनीति को स्थिरता प्रदान की है। यह गठबंधन 1996 से पहले हुए गठबंधनों की तरह अस्थिर नहीं बल्कि स्थिर है हालांकि इनके घटक दलों में समय-समय में परिवर्तन होता रहता है। कुछ दलों ने इन गठबंधनों से स्वतंत्र लोकसभा चुनाव लड़ा जिसमें बहुजन समाज पार्टी, बीजू जनता दल, अकाली दल, ऑल इंडिया द्रविड मुनेत्र कड़गम, नेशनल कांफ्रेस और भारत राष्ट्र समिति मुख्य है। इन चुनाव में ध्रुवीकरण भी देखने को मिला जिसके अंतर्गत कुछ नेता जाति, धर्म, संप्रदाय और वोट बैंक के आधार पर प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से वोट मांगते है और एक दूसरे के विरुद्ध बयानबाजी करते है।

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणामों का विश्लेषण

18वीं लोकसभा, उड़ीसा व आंध्र प्रदेश के चुनाव का परिणाम 4 जून और अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम की विधानसभा के परिणाम 2 जून को घोषित किए गए eci, (2024)। इन परिणामों ने सभी को अचंभित कर दिया है क्योंकि इसने ज्यादातर जनमत अनुमान और निर्गम मतानुमान (Opinion Poll and Exit Poll) को गलत साबित हुए उदाहरणतः Axis My India के चेयरमैन प्रदीप गुप्ता ने NDA को 361-401 Axis My India's, (2024) व INDIA गठबंधन को 131-166, ABP News Cvoter के सर्वे में NDA को 373 व INDIA को 155, Times Now-ETG के सर्वे में NDA को 358-398 व INDIA को 110 से 130 और CSDS के सर्वे में NDA को 375 व INDIA गठबंधन को 120 के आसपास सीटे मिलने का दावा किया था। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने 22 मई को आज तक को दिए अपने साक्षात्कार में कहा था कि भारतीय जनता पार्टी को 300 से कम सीटें मिलेंगी लेकिन वह बहुमत के आँकड़ा प्राप्त कर लेगी वहीं चुनावी विश्लेषक योगेंद्र यादव ने भाजपा को 260 से कम व इसके सहयोगियों को 35 से 45 सीटें और INDIA गठबंधन 205 से 235 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था आज तक, (2024)। भारतीय जनता पार्टी व एनडीए ने वैसा प्रदर्शन नहीं किया जैसा जनमत अनुमान व निर्गम मतानुमान बत्ता रहे थे और इंडिया गठबंधन ने एक्जिट पोल के आंकड़ों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

लोकसभा के साथ जिन चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव हुए उनमें सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा को 32 में से 31 सीटें मिली। अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी व आंध्र प्रदेश में तेलंगु देशम पार्टी को और उड़ीसा की विभानसभा की कुल 147 सीटों में से बीजेपी को 78 सीटें मिली है इसने इस राज्य में पहली बार बहुमत प्राप्त किया है। लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 240 और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 99 सीटें मिली जिनकी संख्या 2019 की तुलना में क्रमशः 303 और 52 थी (eci, 2024)। इस चुनाव में NDA को 293 और INDIA को 234 व अन्य को 16 सीटें मिली है (Bloch, Chang, & Datar, et al. 2024) 2019 के चुनावों में NDA को 353 और INDIA को 92 और अन्य को 98 सीटें मिली थी। जो यह दर्शाता है कि इस चुनाव में NDA और अन्य दलों की सीटें कम हुई है और INDIA गठबंधन की सीटों में बढ़ोतरी हुई है। 2019 में 67.40 मतदान के मुकाबले 18वीं लोकसभा के चुनाव में 65.79% मतदान हुआ इन मतदाताओं की कुल संख्या 64.40 करोड़ थी जिसमें

महिलाओं की 65.8% और पुरषों की 65.78% भागीदारी रही यह प्रथम लोकसभा के चुनाव में क्रमशः 46.6% व 63.31% थी (Roychowdhury, 2024)। इस बार लोकसभा के चुनाव में सबसे अधिक मतदान लक्षद्वीप एवं असम में क्रमशः 84% व 81% हुआ और सबसे कम बिहार में 56%, उत्तर प्रदेश में 56.92% व मिजोरम में 56.87 प्रतिशत हुआ (Service, 2024)। श्रीनगर के 37.98% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जोकि 1996 के बाद सबसे अधिक है (Majid, 2024)। 2019 में 36 और वर्तमान में 41 दलों के सदस्य लोकसभा पहुंचे है और पिछली लोक सभा में 267 के मुकाबले 18वीं लोकसभा में 281 नए सांसद चुने गए है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने भारत की प्रथम और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दूसरी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा बरकरार रखा। भारतीय जनता पार्टी को अकेले INDIA गठबंधन से ज्यादा सीटे मिली है लेकिन वह बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है। उसका मतदान प्रतिशत 2019 में 37.36 प्रतिशत से मामूली कम होकर 36.56 प्रतिशत हो गया है। वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मतदान प्रतिशत में 2019 के मुकाबले लगभग 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस लोकसभा के चुनाव में 2014 के बाद सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है जिस कारण "विपक्ष के नेता" का पद जो 2014 के बाद खाली था वह राहुल गांधी को मिला। इस चुनाव के परिणामों ने भारतीय राजनीति में राज्य दलों व गठबंधन की प्रासंगिकता को फिर से केंद्र बिन्दु में ला दिया है क्योंकि 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में राज्य दलों और गठबंधन की कमजोर स्थिति ने इनकी प्रासंगिकता पर प्रश्न खड़ें किए थे। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत ना मिलने के कारण बेजेपी के नेतृत्व में NDA गठबंधन की सरकार बनी। 9 जून को भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की, वे भारत के 20वें प्रधानमंत्री बने है। नरेंद्र मोदी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद दूसरे और प्रथम ऐसे गैर-कांग्रेसी नेता बन गए है जिन्होंने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के पद की शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी व हिन्द महासागरीय क्षेत्र में स्थित 7 देशों के प्रमुखों ने भी भाग लिया जो भारत की प्रथम पड़ोसी नीति व सागर विजन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है (M, 2024)। वर्तमान नवगठित NDA सरकार में मुख्यतः भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटिड और तेलंगू देशम पार्टी शामिल है।

राजनीतिक दलो व गठबंधन में एकजुटता ही मजबूत विपक्ष का निर्माण करती है उदाहरणत: इस चुनाव में INDIA गठबंधन में एकजुटता के कारण उसकी सीटों में 100 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ोतरी हुई है जो भारतीय नागरिकों का लोकतंत्र में मजबूत विश्वास को दर्शाता है। 18वीं लोकसभा के चुनाव में जनसेना पार्टी, लोक जन शक्ति पार्टी, राष्ट्रीय लोक दल, हिंदुस्तान अवामी मोर्चा और भारतीय आदिवासी पार्टी ने अपनी सभी सीटों पर जीत दर्ज की वहीं बहुजन समाजवादी पार्टी, बीजू जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, ऑल इंडिया द्रविड मुनेत्र कड़गम और तेलंगू देशम पार्टी जिनका भारतीय राजनीतिक में काफी प्रभाव रहा है वे एक भी सीट नहीं जीत पाए है। इस बार कुल 24 मुस्लिम सांसद लोकसभा में पहुंचे है जिनकी संख्या 2019 में 26 थी। इस चुनाव में कुल 74 महिलायें लोकसभा की सांसद चुनी गई है 2019 में इनकी संख्या 78 थी। कुल 262 पूर्व सांसद जिनमें से (216), 17वीं लोकसभा के सदस्य थे, वो फिर से सांसद बन गए है (prsindia, 2024) केरल से पहली बार बीजेपी के सुरेश गोपी सांसद चुने गए है लेकिन वह अयोध्या-फैजाबाद की सीट हार गए गई है जहां भव्य रांमन्दिर का निर्माण किया जा रहा है वहाँ से समाजवादी पार्टी के अवदेश प्रसाद चुनाव जीते है। इस चुनाव में 17वीं लोकसभा में महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी से और अर्जुन मुंडा सहित भारतीय जनता पार्टी के कुल 18 मंत्री चुनाव हार गए है (prsindia, 2024)। वहीं NSA के तहत आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारतीय संप्रभु सत्ता को चुनौती देने वाले व्यक्ति अमृत पाल, इंजीनियर रशीद और भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदरा

गाँधी की हत्या करने वाले बेंअत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह ने भी स्वतंत्र रूप से चुनाव जीता है जो चिंता का विषय है (Desk H. N., 2024)। तीन तलाक, राम मंदिर के निर्माण और धारा 370 जैसे बड़े मुद्दे का हल करने के दावे के बाद केंद्र में 18वीं लोकसभा का चुनाव पहला चुनाव है जिसको आधार बना कर भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र में फिर से सत्ता में आने का प्रयत्न किया। उसने अपने 10 सालों के कार्यकाल में किए गए कार्यों के आधार पर मोदी की गारंटी के तहत कल्याणकारी योजनाओं की निरन्तरता के लिए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सम्पूर्ण न्याय, रोजगार, महंगाई और बढ़ते अन्याय के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करके पिच्छले 10 सालों से केंद्र की सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नरेंद्र मोदी को सस्ता से बाहर करने के उद्देश्य से लोगों से मतदान की अपील की। कांग्रेस 2014 और 2019 की तरह 2024 में भी केंद्र की सत्ता को हासिल करने में असफल रही है। विश्लेषकों के अनुसार इस चुनाव का केंद्र-बिन्दु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे यानी इस चुनाव का मुख्य मुद्दा वोट फॉर मोदी या वोट अगेंस्ट मोदी बन गया था और लोगों ने राम मंदिर, धारा 370 जैसे मुद्दे का हल करने पर वोट नहीं दिये। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रदर्शन का वर्णन इस प्रकार से है-

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम में NDA गठबंधन के सदस्य दलों की सीटें

सं न०	राजनीतिक दल	सीटे 2024 में	मतदान प्रतिशत 2024 में	सीटे कम व ज्यादा हुई
1.	भारतीय जनता पार्टी	240	36.56%	63 कम हुई
2.	तेलंगू देशम पार्टी	16	1.98%	13 ज्यादा हुई
3.	जनता दल यूनाइटिड	12	1.25%	4 कम हुई
4.	शिवसेना एक नाथ शिंदे	7	1.15%	
5.	लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास)	5		
6.	अपना दल (सोनेवाल)	1		
7.	असम गण परिषद	1		
8.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार)	1		
9.	जनता दल (सेकुलर)	2		
10.	जन सेना पार्टी	2		
11.	सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा	1		
12.	राष्ट्रीय लोक दल	2		
13.	हिंदुस्तान अवामी मोर्चा	1		
14.	यूनाइटिड पीपल्स पार्टी (लिबरल)	1		
15.	ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी	1		
कुल योग		293		

Election Commission of India (eci.gov.in)

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम में INDIA गठबंधन के सदस्य दलों की सीटें

सं न०	राजनीतिक दल	सीटे 2024 में	2024 में मतदान प्रतिशत	सीटे ज्यादा हुई
1.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	99	21.19%	47
2.	समाजवादी पार्टी	37	4.58%	22
3.	द्रविड मुनेत्र कड़गम	22	1.82%	
4.	ऑल इंडिया तृणमूल काँग्रेस पार्टी	29	4.37%	
5.	शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे)	9	1.48%	
6.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार)	8	0.92%	
7.	राष्ट्रीय जनता दल	4		
8.	भारतीय साम्यवादी मार्क्सवादी दल	4		
9.	आम आदमी पार्टी	3		
10.	केरला कांग्रेस	1		
11.	भारतीय साम्यवादी दल	2		
12.	जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेस	2		
13.	विदुथलाई चीरूथिगल काची	2		
14.	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्कसिस्ट-लेनिनिस्ट) लिबरल	2		
15.	राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक पार्टी	1		
16.	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	3		
17.	झारखंड मुक्ति मोर्चा	3		
18.	भारतीय आदिवासी पार्टी	1		
19.	Revolutionary Socialist Party - RSP	1		
20.	मरुमलाचरी द्रविड मुनेत्र कड़गम - MDMK	1		
कुल योग		234		

Election Commission of India (eci.gov.in)

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम में अन्य राजनीतिक दलों की सीटें

सं न०	राजनीतिक दल	2024 में कुल सीटें
1.	भारत राष्ट्र समिति	00

2.	बीजू जनता दल	00
3.	बहुजन समाज पार्टी	00
4.	जोरम पीपल्स मूवमेंट – ZPM	1
5.	शिरोमणी अकाली दल	1
6.	वाई एस आर कांग्रेस	4
7.	ए आई डी एम के	00
8.	आजाद समाज पार्टी (कांशी राम)	1
9.	Voice of the People Party - VOTPP	1
10.	All India Majlis-E-Ittehadul Muslimeen - AIMIM	1
16.	स्वतंत्र उमीदवार	7
कुल योग		16

Election Commission of India (eci.gov.in)

Findings

1. भारतीय मतदाता दिन-प्रतिदिन परिपक्व होते जा रहे है वो राज्य व राष्ट्रीय मुद्दों को ध्यान में रखकर सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक नीतियों से प्रभावित होकर राज्य व राष्ट्र के विकास का वादा करने वाले व्यक्ति व राजनीतिक दल को मतदान करते है।
2. भारतीय राजनीति में गठबंधन का निर्माण अवसरवादिता को लुभाने व अपने हितों की रक्षा करने के लिए किया जाता है जब गठबंधन राजनीतिक दलों के हितों का संरक्षण करना बंद कर देते है तो वह उनसे अलग हो जाते है इससे गठबंधन में अस्थिरता एवं बदलाव आता है।
3. गठबंधन के नेतृत्वकर्ता चुनावों को काफी प्रभावित करते है। लोग मजबूत नेता, प्रवक्तता व दृढ़ संकल्पित व्यक्ति को मतदान करना पसंद करते है इससे गठबंधन के छोटे-छोटे दलों को भी लाभ मिलता है। गठबंधनो में सूक्ष्म दलों की भागीदारी व केंद्र में उनके प्रतिनिधित्व की आवश्यकता के कारण जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत हुआ है।
4. भारतीय राजनीति में चुनाव के बाद जो दल विपक्ष की भूमिका में आते है वह अमूमन EVM (Electronic Voting Machine) और भारतीय चुनाव आयोग की स्वतंत्रता व निष्पक्षता पर सवाल खड़ें करते है। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम के बाद किसी भी राजनीतिक दल ने इस पर सवाल खड़ें नहीं किए जो यह दर्शाता है कि विपक्षी राजनीतिक दल उन मुद्दों को अधिक जोर-शोर से उठाते है जिससे वह अपने हितों को साध सके।
5. इस चुनावों में ध्रुवीकरण भी देखने को मिला अर्थात राजनीतिक दल व उसके सदस्य समाज में विभिन्न समूह जिनके विचार, संस्कार, व्यवहार और मान्यताओं में अधिक अंतर होता है, के किसी एक पक्ष का इतना समर्थन व विरोध कर देते है जिससे उन समूहों में समानता, सहयोग और समझौते की कोई गुंजाइश नहीं रहती है।

Suggestion

1. चुनाव लोकतान्त्रिक देशों में सत्ता के हस्तांतरण की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है इस प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार व भारतीय चुनाव आयोग को ठोस कदम उठाने चाहिए।
2. भारत में राष्ट्रीय दल व राज्य दल दोनों ही महत्वपूर्ण है यहाँ की राजनीति गठबंधन के बिना अधूरी है अतः गठबंधन को मजबूत करने की जिम्मेवारी ना केवल राष्ट्रीय दल की है बल्कि राज्य दल की भी है ताकि भारत में राजनीतिक स्थिरता बनी रहे। इन दलों को आपस में परस्परता एवं सहयोग से कार्य करना चाहिए क्योंकि यह व्यवस्था विपक्ष व सरकार सहित जनता के लिए भी लाभदायक है।
3. राजनीतिक दलों द्वारा अवसरवादिता और अपने हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना ही गठबंधन की अस्थिरता का मुख्य कारण है अतः राजनतिक दलों को जनता व राष्ट्र के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेने चाहिए।
4. राजनीतिक दलों को लोक लुभावन नारों और फ्री की योजनाओं के वादे करने के बजाय जनता के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों को ध्यान में रखकर उनके विकास में सहायक होना चाहिए।
5. जिस प्रकार से सरकार चलाने के लिए परम्पराएं, संविधान, नियम, कानून और उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण होता है उसी प्रकार विपक्ष के लिए भी परंपराओं, नियमों, कानूनों और उत्तरदायित्व को विकसित करना चाहिए।
6. चुनाव के बाद विभिन्न News चैनल और अन्य संस्थान जनमत अनुमान और निर्गम मतानुमान (Opinion Poll and Exit Poll) के माध्यम से सर्वे, साक्षात्कार व अन्य मापदंडों का उपयोग करके चुनाव परिणाम का अनुमान लगाते है जोकि ज्यादातर सही नहीं होते है अतः इसमें अधिक से अधिक वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करके त्रुटियों को सुधारना चाहिए ताकि चुनाव परिणाम के अनुमान सटीक, सही और स्पष्ट आ सकें।

निष्कर्ष

21वीं शताब्दी के दूसरे दशक में 18वीं लोकसभा चुनाव ना केवल गठबंधनों व राजनीतिक दलों के स्वरूप व चुनावी मतदान व्यवहार के बदलाव को दर्शाता है अपितु भारतीय लोकतंत्र के चुनावी महोत्सव में उत्साही मतदाताओं की महत्वकाक्षाओं एवं भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्ष व स्वतंत्र प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। यह चुनाव भारतीय लोकतंत्र का नवीनतम, आवश्यक व महत्वपूर्ण संस्करण है। इस लोकसभा चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों और NDA व INDIA गठबंधन की भूमिका का अध्ययन भारतीय राजनीति का अहम भाग है इसके अंतर्गत हमने विधान सभा, लोकसभा, भारतीय चुनाव आयोग, विपक्ष, चुनाव प्रक्रिया, जनमत अनुमान और निर्गम मतानुमान (Opinion Poll and Exit Poll) और समकालीन मुद्दों पर चर्चा की है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में चुनाव सत्ता के हस्तांतरण की शांति प्रिय व वैध प्रक्रिया है। यह मानव इतिहास की सभी व्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा आसान, प्रसिद्ध, सरल और मान्यता प्राप्त व्यवस्था है जिसे नए-नए विज्ञानिक प्रयोगों के साथ ओर आसान बनाना चाहिए ताकि सुधारों के माध्यम से इस व्यवस्था को इसका सर्वोच्च, समृद्ध और उत्तम स्थान मिल सके

Bibliography

1. Ambedkar, B. R. (2024). *The Constitution of India.* New Delhi: ARUSHI BOOK ENTERPRISES.

2. Anand, A. (2024, june 6). *Lok Sabha Elections 2024: Did INDIA bloc seat-sharing pact benefit Congress more than its allies? Yes, but*. Retrieved from www.livemint.com: https://www.livemint.com/elections/lok-sabha-elections-2024-did-india-bloc-seat-share-benefit-congress-more-than-its-allies-yes-but-11717599322556.html
3. Appaiah, P. (2008). Coalition Government in India. NDA Vs UPA. *Australian Political Studies Association Conference*, (p. 1). Brisbane, Australia .
4. *BJP ELECTION MANIFESTO 2019.* (2019). Retrieved from library.bjp.org: https://library.bjp.org/jspui/handle/123456789/2988
5. Bloch, M., Chang, A., & Datar, S. (2024, june 3). *2024 India General Election: Live Results*. Retrieved from www.nytimes.com: https://www.nytimes.com/interactive/2024/06/03/world/asia/results-india-lok-sabha-election.html
6. Chawla, N. (2009). *Every Vote Counts: The Story of India's Elections.* Penguin Books India.
7. *CPI(M) Election Manifesto.* (2024). Retrieved from https://cpim.org/pressbriefs-cpim-election-manifesto/
8. Desk, E. (2024, march 16th). *Model Code of Conduct comes into force for 2024 Lok Sabha elections: What does it mean?* Retrieved from The Indian Express: https://indianexpress.com/article/explained/model-code-of-conduct-meaning-9217638/
9. Desk, H. N. (2024, june 6). *Lok Sabha elections: Meet seven candidates who won as independents*. Retrieved from www.hindustantimes.com: https://www.hindustantimes.com/india-news/lok-sabha-elections-meet-seven-candidates-who-won-as-independents-101717642425035.html
10. Dey, T. K. (2019). *Lok sabha election report 2019.* Retrieved from file:///C:/Users/aruns/Downloads/DatavisualizationprojectLoksabhaelectionreport2019.pdf
11. e.c.i. (2024, March 16th). *GENERAL ELECTIONS – 2024.* Retrieved from eci.gov.in: https://elections24.eci.gov.in/eci-updates.html
12. eci. (2024, june 4). Retrieved from results.eci.gov.in: https://results.eci.gov.in/PcResultGenJune2024/index.htm
13. eci. (2024). Retrieved from www.eci.gov.in: https://www.eci.gov.in/statistical-reports
14. eci. (2024, june 4). *General Election to Parliamentary/Assembly Constituencies: Trends & Results June-2024*. Retrieved from eci.gov.in: https://results.eci.gov.in/
15. Ewe, K. (2023, Dec 28). *The Ultimate Election Year: All the Elections Around the World in 2024*. Retrieved from TIME: https://time.com/6550920/world-elections-2024/
16. Ganguly, S. (2022, feb 16). *The Parties That Contested India's First General Election*. Retrieved from thewire.in: https://thewire.in/history/the-parties-that-contested-indias-first-general-election
17. Godbole, M. (2011). *India's Parliamentary Democracy on Trial.* rupa.
18. indiatimes. (2024, jan 28). *Nitish Kumar explains why he returned to NDA fold and dumped INDIA & Grand Alliance*. Retrieved from indiatimes.com: https://timesofindia.indiatimes.com/india/nitish-kumar-explains-why-he-returned-to-nda-fold-and-dumped-india/articleshow/107202454.cms
19. Joshi, A. (2024, june 6). *Lok Sabha Results 2024: Why BJP's top NDA partners may stay with the alliance – and why they might leave*. Retrieved from indianexpress.com: https://indianexpress.com/article/explained/explained-politics/lok-sabha-results-bjp-nda-partners-9372070/
20. Lama, S. T. (2009). Studying Elections in India: Scientific and Political Debates. *South Asia Multidisciplinary Academic Journal*.

21. M, R. (2024, june 9th). *HISTORIC! Narendra Modi Takes Oath As Prime Minister Of India For 3rd Time In A Row*. Retrieved from www.freepressjournal.in: https://www.freepressjournal.in/india/historic-narendra-modi-takes-oath-as-prime-minister-of-india-for-3rd-time-in-a-row
22. Majid, Z. (2024, may 23). *Lok Sabha Polls 2024: At 37.98% Srinagar sees highest voter turnout since 1996*. Retrieved from www.deccanherald.com: https://www.deccanherald.com/elections/india/at-3798-srinagar-sees-highest-voter-turnout-since-1996-3020136
23. Munjal, D. (2024, july 26). *Which are the 26 parties in the INDIA combine, the face of Opposition unity for the 2024 Lok Sabha polls?* Retrieved from www.thehindu.com: https://www.thehindu.com/news/national/which-are-the-26-parties-in-the-india-combine-the-face-of-opposition-unity-for-the-2024-lok-sabha-polls/article67115171.ece
24. Pareenja, P. (2024, september 16). *Amarinder Singh's party Punjab Lok Congress to merge with BJP on September 19*. Retrieved from www.indiatvnews.com: https://www.indiatvnews.com/news/india/amarinder-singh-party-punjab-lok-congress-to-merge-with-bjp-on-september-19-2022-09-16-808778
25. prsindia. (2024, june 7). *Profile of the 18th Lok Sabha*. Retrieved from prsindia.org: https://prsindia.org/parliamenttrack/vital-stats/profile-of-the-18th-lok-sabha
26. Pujar, M. H. (2018). Coalitions politics in India: challenges and impacts. *IJCRT*, 252-55.
27. Roy, P., & Sopariwala, R. D. (2019). *The Verdict: Decoding India's Elections.* Vintage Books.
28. Roychowdhury, A. (2024, may 7). *From 1951-2019: How women voters outnumbered men in Lok Sabha polls*. Retrieved from indianexpress.com: https://indianexpress.com/article/research/from-1951-to-2019-how-women-voters-outnumbered-men-9306969/
29. Sagar, U. (2021, nov 18). *Why Is Nepotism Practised So Strongly In Indian Politics?* Retrieved from 13angle.com: https://13angle.com/blog/editorial/why-is-nepotism-practised-so-strongly-in-indian-politics/
30. Service, E. N. (2024, june 6). *2024 Lok Sabha elections saw overall voter turnout at 65.79%, lowest in Bihar*. Retrieved from indianexpress.com: https://indianexpress.com/elections/2024-lok-sabha-elections-voter-turnout-9376670/
31. sharma, l. k. (2013). Coalition Era in Indian Democracy: A Historical Review. *Journal of Research in Humanities and Social Science*.
32. Tripathi, V. (2024, june 7). *Who is Leader of Opposition? Know Minimum Number of Seats Required for Leader of Opposition.* Retrieved from www.jagranjosh.com: https://www.jagranjosh.com/current-affairs/who-is-leader-of-opposition-know-opposition-leader-of-lok-sabha-criteria-minimum-seats-required-and-other-details-1717687356-1
33. *Watch: Axis My India's Pradeep Gupta gets emotional as results defy exit polls.* (2024, june 4). Retrieved from www.indiatoday.in: https://www.indiatoday.in/elections/lok-sabha/video/watch-axis-my-indias-pradeep-gupta-gets-emotional-as-results-defy-exit-polls-2548951-2024-06-04
34. *कांग्रेस का न्याय पत्र.* (2024). Retrieved from file:///C:/Users/aruns/Downloads/Congress-Manifesto-Hindi-2024-BOFvk3Gz.pdf
35. गुहा, र. (2012). *भारत नेहरू के बाद दुनिया के विशालतम लोकतंत्र का इतिहास.* दिल्ली: पेंगुइन बुक्स.
36. गुहा, र. (2012). *भारत नेहरू के बाद दुनिया के विशालतम लोकतंत्र का इतिहास.* दिल्ली: पेंगुइन बुक्स.

37. तक, आ. (2024, June 4). *लोकसभा चुनाव 2024* . Retrieved from www.aajtak.in: प्रशांत किशोर या योगेंद्र यादव... जानें चुनाव नतीजों पर किसकी भविष्यवाणी निकली सबसे सटीक - Prashant Kishore or Yogendra Yadav whose prediction on election results turned out to be most accurate ntc - AajTak
38. *भाजपा का संकल्प मोदी की गारंटी.* (2024). Retrieved from file:///C:/Users/aruns/Downloads/Modi-Ki-Guarantee-Sankalp-Patra-Hindi_3.pdf: file:///C:/Users/aruns/Downloads/Modi-Ki-Guarantee-Sankalp-Patra-Hindi_3.pdf
39. रावी, स. (2024, april 23). *कांग्रेस का ऐतिहासिक रूप से सबसे कम सीटों पर लड़ना रणनीति है या कुछ और.* Retrieved from www.bbc.com: https://www.bbc.com/hindi/articles/c254jg4vvw0o